[Shri Manmohan Tudu]

those violators of their place of worship. This should be prevented by immediate action.

(v) CONVERSION OF RUPSA-BANGERI-POSHI NARROW GAUGE LINE INTO BROAD GAUGE LINE DURING THE SIXTH PLAN

SHRI CHINTAMANI JENA (Balasore) : Mr. Speaker, Sir, the Rupsa-Bangeri-Poshi narrow-gauge railway line in South Eastern Railway was constructed about 75 years back keeping in view the importance of the area which is rich in mineral and forest products. There are constant demands from all sections to convert this narrow gauge railway line into broad-gauge line for which survey and investigations are completed since long. From the survey, it is ascertained that about Rs. 4.30 crores will be required to convert it into a broad gauge line which will be a remunerative one. In the meantime, some medium and large scale industries have been set up and some are coming up very soon in this area along with some new mineral products are traceable, which are to be exploited, which is necessitating the urgency of converting this narrow gauge line into a broad gauge one. In addition to it the passengers traffic has been increased to a great extent and after its conversion into a broad gauge line, the income to the Government exchequer will be increased three times than that of at presnt.

I would, therefore, request the Railway Ministry to take up this project in the Sixth Plan period on priority basis which will fulfil the long cherished demand of the people of this area and will be a great source of income to the Government exchequer as well as it will be a great help for eradication of poverty from a backward State like Orissa.

(vi) DISRUPTION IN THE SUPPLY OF RATIONED SUGAR IN KERALA

*SHRI V. S. VIJAYARAGHAVAN (Palghat) : The people of Kerala have not so far got the ration sugar for the month of November which was to be supplied at the rat of Rs. 2.85. This has happened because the Govt. did not lift the stock from sugar mills in time.

As soon as the Central order raising the price of sugar by 60 to 65 paise per Kg. from first of December was received, it is alleged to have been decided not to distribute sugar in November. The Sugar meant for the month of November is normally distributed in December. Thus now the people would have to pay 65 paise more per Kg. as per the revised rates. The Govt. has not lifted the quota of sugar from the mills meant for November.

21,000 bags of sugar are lying in the Pampa sugar Factory, a public sector factory. This factory where 800 tonnes of sugar are produced daily, has been closed due to the partial strike by a section of the workers. The Govt. is not taking any step to reopen the factory or lift the accumulated stock of sugar.

All this has disrupted the distribution of sugar in Kerala. Therefore I request the Central Govt. to give suitable instructions to the State Govt. to relieve the difficulties of the people.

(vii) INDUSTRIAL DEVELOPMENT PROGRAMME FOR EASTERN U.P.

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री (बेदपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं उत्तर प्रदेश के तीन सौ वर्ग मील में फैले हुए बेदपुर की दयनीय

*The Original speech was delivered in Malayalam.

स्थिति की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए चाहूंगा कि प्राय: यहां की लगभग 25 लाख की जनसंख्या के 90 प्रतिशत निवासी गरीब, कमजोर तथा हरिजन पिछड़े वर्ग के लोग हैं।

प्रथम प्रधान मंत्री स्वर्गीय पं० जवाहरलाल नेहरू ने 1959, 1961 तथा 1962 में यहां दौरा किया। वे यहां के आम इन्सान की स्थिति देखकर काफी प्रभावित हुए। पटेल आयोग के द्वारा यहां के विकास की रूप रेखा बनी पर बाद में समस्त विकासशील योजनायें भी बन्द हो गई।

पिछले दिनों भयानक बाढ़ का भी यहां प्रकोप रहा। एक हजार से अधिक मकान ढह गए। कई हजार एकड़ फसल जल प्लावित हो गई। दो दर्जन व्यक्ति मर गए। अनगिनत पशु बह गए।

यहां कोई निजी तथा राजकीय औद्योगिक प्रतिष्ठान नहीं है जब कि यहां कागज और गत्ता का बड़ा कारखाना लगाया जा सकता है। डेरी तथा शराब, चीनी उद्योग लगाकर जीवन बदला जा सकता है। अभी ऊर्जा मंत्री भारत सरकार को 9 संसद सदस्यों की ओर से एक खाद का कारखाना लगाने के लिए मैंने ज्ञापन दिया था।

इस क्षेत्र में नरकटगंज नामक स्थान पर एक छोटी सी चीनी मिल है। इस चीनी मिल के निर्माण के समय यहां के गरीबों का हौसला बुलन्द हुआ। लोगों में नई आशायें जगीं। गरीब किसान अपनी हजारों एकड़ जमीन देकर भी खुश था। अधिकारियों ने, उद्योग मंत्रालय ने आश्वासन दिया कि इस चीनी मिल में सैकड़ों लोगों को काम मिलेगा। पर बाद में कोई पूछ नहीं हुई उल्टा गरीब किसान भूमिहीन हो गया। क्षेत्र में बेकारी भुखमरी चरम सीमा पर पहुंच गई है। लोग कलकत्ता, बम्बई, दिल्ली आदि बड़े शहरों की ओर भाग रहे हैं। सबके सामने निराशा है। अपना भविष्य अंधकारमय लग रहा है।

मैं इन थोड़े से शब्दों के साथ माननीय उद्योग मंत्री जी का ध्यान संसदीय क्षेत्र सैदपुर की ओर ले जाते हुए जोरदार शब्दों में मांग करूंगा कि इस क्षेत्र में 20 लाख गरीब मजदूरों, किसानों की दयनीय जिन्दगी को देखें और कोई बड़ा उद्योग लगाने पर विचार करें। खाद का कारखाना, कागज का बड़ा कारखाना लगाकर पंडित नेहरू तथा पटेल आयोग की भावनाओं का आदर कर निरीह गरीबों की रक्षा की जा सकती है।

(viii) PENSION FOR FREEDOM-FIGHTERS

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आप का ध्यान स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों के पैंशन के बारे में दिलाना चाहता हूं। पिछले सत्र में गृह मंत्री ने यह बयान सदन में दिया था कि स्वतंत्रता संग्राम के सैनानियों की पैंशन 200 रु० प्रति माह से बढ़ा कर 300 रु० प्रति माह की जा रही है। उसी प्रकार उनकी विधवाओं को पैंशन 100 रु० प्रतिमाह से बढ़ा कर 200 रु० प्रतिमाह की जा रही है। किन्तु यह खेद की बात है कि सरकार के इस बयान पर अभी तक अमल नहीं हो रहा है। विशेष कर दिल्ली में दिल्ली प्रशासन इस दिशा में सोया पड़ी है। उसका कहना है कि गृह मंत्रालय से इस दिशा में कोई आदेश नहीं आया है। जब राजधानी में यह हाल है तो देश के अन्य भागों में क्या होगा? इस सरकार की कथनी और करनी में बहुत अन्तर है। मंत्री सदन में कहते बहुत कुछ है, लेकिन उस पर अमल कुछ नहीं हो पाता। स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी इस समय अभी